भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

वित्तीय सेवाएं विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4872

जिसका उत्तर सोमवार, 23 मार्च, 2026/2 चैत्र, 1948 (शक) को दिया गया

बैंकों का प्रस्तावित विलय

†4872.श्री सेल्वाराज वी:

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी:

श्री सुब्बारायण के.:

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का कुछ और बैंकों का विलय करने का विचार है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने अब तक विलय किए गए बैंकों का कोई आकलन किया है; और

(घ) यदि हां, तो वृद्धि के संदर्भ में बैंकों के ऐसे विलय का क्या प्रभाव पड़ेगा?

उत्तर

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पंकज चौधरी)

(क) से (घ): वर्तमान में, सरकारी क्षेत्र के बैंकों के विलय अथवा समेकन के संबंध में कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नहीं है।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के समामेलन से व्यापक तालमेल को साकार करने में सक्षम बनाते हुए बड़े पैमाने और दायरे की अर्थव्यवस्थाओं के साथ मजबूत प्रतिस्पर्धी बैंक बनाने में मदद मिली। नेटवर्क का लाभ उठाने, कम लागत वाली जमाराशियों तक बेहतर पहुंच, बड़े टिकट आकार के ऋण का समर्थन करने की क्षमता में वृद्धि और अधिक वित्तीय क्षमता के आधार पर प्रतिस्पर्धी संचालन ने समामेलित बैंकों को ग्राहक आधार, बाजार पहुंच और परिचालन दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि प्रदान की है। संचालन के बढ़ते दायरे और सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों को अपनाने और डिजिटलीकरण के साथ लागत दक्षता में सुधार के कारण भी तालमेल प्राप्त बना।

जैसा कि परिकल्पित किया गया था, पीएसबी के समामेलन ने परिचालन को सुव्यवस्थित करने और लागत में कमी के माध्यम से बैंकों की परिचालन दक्षता और वित्तीय सुदृढ़ता में सुधार करने में योगदान दिया है, जिसके परिणामस्वरूप बैंकों के समेकित व्यवसाय में वृद्धि हुई है। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, समेकित कुल कारोबार-

(i) बैंक ऑफ बड़ौदा, जिसमें 1.4.2019 से विजया बैंक और देना बैंक का विलय किया गया था, मार्च-2019 में 16.1 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर मार्च-25 में 27.0 लाख करोड़ रुपए हो गया।

(ii) पंजाब नेशनल बैंक, जिसमें 1.4.2020 से ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स और यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया का विलय किया गया था, मार्च-2020 में 18.3 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर मार्च-25 में 26.8 लाख करोड़ रुपये हो गया।

(iii) यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, जिसमें 1.4.2020 से आंध्रा बैंक और कॉर्पोरेशन बैंक का विलय किया गया था, मार्च-2020 में 15.3 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर मार्च-25 में 22.9 लाख करोड़ रुपए हो गया।

(iv) केनरा बैंक, जिसमें 1.4.2020 से सिंडिकेट बैंक का विलय किया गया था, मार्च-2020 में 15.7 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर मार्च-25 में 25.3 लाख करोड़ रुपए हो गया, और

(v) इंडियन बैंक, जिसमें 1.4.2020 से इलाहाबाद बैंक का विलय किया गया था, मार्च-2020 में 8.6 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर मार्च-25 में 13.3 लाख करोड़ रुपये हो गया।

*****